दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार, 09 मई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 220

महत्वपूर्ण एवं खास

राष्ट्रपति ने न्यायाधीशों की नियुक्ति की

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद, उच्च न्यायालय के निम्नलिखित मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीश को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त किया है। ये नियुक्तियां संबंधित कार्यालयों का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होंगी।

ससुराल वालों ने महिला को जमकर पीटा, हालत गंभीर

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में एक महिला की उसके पति और ससुराल वालों ने जमकर पिटाई की। अब वह महिला श्रीनगर के एक अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच लड़ाई लड़ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना क्रीरी गांव में ईद के मौके पर हुई। दो बच्चों की मां, पीड़िता के परिवार के सदस्यों ने बताया कि उसे गंभीर चोटें आई हैं और वह श्रीनगर के एसकेआईएमएस सौरा अस्पताल में आईसीयू में भर्ती है। महिला के भाई ने कहा, उसे शुरू में उप जिला अस्पताल (एसडीएच) क्रीरी में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे विशेष इलाज के लिए एसकेआईएमएस सौरा में रेफर कर दिया गया। शादी के बाद से ही उसका पति और ससुराल वाले उसे लगातार परेशान कर रहे थे। घटना से इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। पुलिस ने कहा कि पीड़िता के पति को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है। एसएसपी बारामूला रईस अहमद भट ने ट्वीट कर कहा, परिवार की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्हें सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। मेरी लोगों से अपील है कि वह मामले को लेकर कोई अफवाह न फैलाएं।

खदान में डूबने से एक ही परिवार के पांच लोगों की हुई मौत

ठाणे (आरएनएस)। महाराष्ट्र के ठाणे जिला में डोंबिवली कस्बे के एक गांव पांच लोगों की पानी से भरी खदान में डूबने से मौत हो गयी। सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे। दमकल विभाग के सूत्रों ने बताया कि दमकलकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। मृतकों की पहचान मीरा गायकवाड़ (55), उनकी बहू अपेक्षा (30) और उनके तीन बच्चों - मयूरेश, नीलेश (दोनों 15 वर्ष) और मोक्ष (13) के रूप में हुई है। यह घटना संदीप गांव में आज दोपहर करीब चार बजे घटित हुई। बताया जा रहा है कि दोनों महिलाएं खदान में कपड़े धोने में व्यस्त थीं, जबकि बच्चे किनारे पर बैठे थे। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान मोक्ष गलती से पानी में गिर गया और उसे बचाने खदान में उतरे अन्य लोग भी डूब गए।

आईएनएस कोलकाता का जिबूती का दौरा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय नौसेना द्वारा अदन की खाड़ी में व्यापारिक जहाजों के सुरक्षित पारगमन को सुनिश्चित करने के लिए आईएनएस कोलकाता ने समुद्री डकैती रोधी गश्त के हिस्से के रूप में 04 से 07 मई 2022 तक जिबूती का दौरा किया। कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन प्रशांत हांडू ने यात्रा के दौरान जिबूती की राष्ट्रीय नौसेना के कमांडर कर्नल अहमद डाहर जामा और जिबूती तटरक्षक बल के कमांडर-इन-चीफ कर्नल वाइस उमर बोगोरेह से मुलाकात की।

मंत्रोच्चारों व विधिविधान के साथ खुले बद्रीनाथ धाम के कपाट

पौड़ी (आरएनएस)। पवित्र वेद ध्वनियों, मंत्रोच्चारों के साथ बैकुंठ बदरीनाथ मंदिर के कपाट रविवार को ब्रह्म मुहूर्त पर 6.15 बजे पर विधि विधान के साथ खुले। पहले दिन 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान के श्री विग्रह और अखंड ज्योति के दर्शन किए। अनुकूल मौसम, गुनगुनी धूप और सुव्यवस्थित प्रबंधन के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए। भगवान के दर्शन करने के लिए यात्री तीन किलोमीटर लंबी लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। रविवार को प्रात: 6.15 बजे भगवान बदरी विशाल मंदिर के कपाट खुले। सबसे पहले बदरीनाथ के मुख्य रावल ईश्वरी प्रसाद नम्बूरी ने मंदिर के गर्भ गृह में प्रवेश किया। भगवान नारायण बदरी विशाल को दंडवत प्रणाम किया। शीतकाल में घृत कम्बल ओढ़े भगवान के विग्रह से घृत कम्बल मुख्य रावल ईश्वरी प्रसाद नम्बूरी ने घृत कम्बल जैसे ही हटाया भगवान का दिव्य और दमकते स्वरूप को देखकर सभामंडप में धर्माधिकारी, सभी अपर धर्माधिकारी, आचार्य गण, बदरीनाथ केदारनाथ, मंदिर समिति के पदाधिकारी, अधिकारी कर्मचारियों और दर्शानिथों के कंठ से बोल बदरी विशाल का जय घोष गूंज उठा। भगवान के कपाट खुलने की प्रथम प्रक्रिया समेत विविध चरणों में पूजा अभिषेक हुआ। शीतकाल में भगवान के सानिध्य में रही मां भगवती लक्ष्मी के विग्रह को बदरीनाथ मंदिर के निकट लक्ष्मी मंदिर लाया गया। इसके बाद श्री उद्धव का विगृह रावल के साथ और श्री कुबेर की डोली मंदिर के सभा मंडप से मंदिर के अंदर पहुंच कर बदरीश पंचायत में विराजमान हुये। आद्य गुरु शंकराचार्य की गद्दी मंदिर परिक्रमा स्थल पर सुशोभित हुयी। विगत 2 वर्ष के कोरोना काल में बदरीनाथ की यात्रा प्रभावित रही। पर इस बार पहले ही दिन जिस तरह से रिकार्ड संख्या में यात्री भगवान के दर्शन के लिये पहुंचे। उसे देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि इस बार यात्रा सीजन में यात्रियों की संख्या लाखों में पहुंच सकती है। बदरी विशाल के कपाट खुलते समय भगवान के प्रथम दर्शन के लिये बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय, उपाध्यक्ष किशोर पंवार, बदरीनाथ के विधायक राजेंद्र भंडारी, बदरीनाथ के पूर्व विधायक महेंद्र भट्ट, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, जिला अधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे, बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्यकारी बीडी सिंह समेत कई भक्त जन मौजूद रहे।

हादसे का शिकार हुए श्रद्धालु, वाहन खाई में गिरने से 5 की मौत

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड में रविवार सुबह बदरीनाथ राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर धाम के कपाट खुलने पर दर्शन को जा रहे श्रद्धालुओं का एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई मे गिर गया। वाहन सवार सभी 5 लोगों की मृत्यु होने की सूचना है। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के प्रवक्ता ललिता दास नेगी ने बताया कि तोता घाटी के पास एक कार मारुति इग्निस गहरी खाई में गिरने की सूचना पर ब्यासी से रेसक्यू टीम घटनास्थल पर गई है। उन्होंने टीम इंचार्ज उप निरीक्षक नीरज चौहान के हवाले से बताया कि उक्त वाहन में 5 लोग सवार थे। सभी मृतक हैं। टीम द्वारा एक शव को रोड हेड पर लाया जा चुका है। शेष 4 शवों को भी खाई से निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू कार्य जारी है। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

केदारनाथ धाम में तीन दिन में चार यात्रियों की मौत

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। केदारनाथ धाम में यात्रा के तीन दिनों के भीतर विभिन्न कारणों से चार यात्रियों की मौत हो गई है। जिला आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम के मुताबिक 6 मई को रात्रि एक बजे 61 वर्षीय दिलासाराम पुत्र जय नारायण निवासी भीन्डपाली मध्य प्रदेश छोटी लिंचौली की मौत हो गई। जबकि 7 मई को सुबह करीब 10 बजे 62 वर्षीय उर्मिला गर्ग पत्नी त्रिलोकी नाथ गर्ग निवासी बुलंदशहर यूपी की केदारनाथ धाम में मौत हुई। इसी दिन 46 वर्षीय प्रवीण सैनी पुत्र रमेश कुमार निवासी वाटिका सोना रोड़ सैक्टर 49 गुडगांव की गौरीकुंड बस अड्डे के पास पैर फिसलकर खाई में गिरने से मौत हो गई। जबकि 8 मई को जीत सिंह पुत्र देवेंद्र सिंह निवासी श्रीराम संजय नगर गाजियाबाद यूपी की जंगलचट्टी से 4 सौ मीटर आगे जाते हुए आकस्मिक मौत हो गई।

महिला को तांत्रिक के पास छोड़ गए ससुराल वाले, 79 दिनों तक हुआ रेप

नई दिल्ली (आरएनएस)। ओडिशा के बालासोर में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला के ससुराल वालों ने तांत्रिक के पास छोड़ दिया और संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। तात्रिक ने करीब 79 दिनों तक महिला का रेप किया।

महिला ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि पांच साल पहले उसकी शादी हुई थी। शादी के छह महीने बाद ही उसके ससुराल वालों ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। जब उसने इस बारे में अपने पति से बात की तो उसने भी उस पर ही आरोप लगा दिए। कुछ दिनों बाद उसका पति काम के सिलसिले में बाहर चला गया। इसके बाद महिला की सास गीता रानी उसे तांत्रिक के पास ले गई। सांस ने महिला से कहा कि तांत्रिक उसका पारिवारिक विवाद खत्म कर देगा, लेकिन इसके लिए उसे कुछ दिन तक तांत्रिक के पास रहना होगा। महिला ने सास के फैसले का विरोध किया लेकिन ससुराल वाले उसे जबरदस्ती वहां छोड़ गए। महिला ने आरोप लगाया कि तांत्रिक ने साथ 79 दिनों तक रेप किया। उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया था।

एक दिन महिला को तांत्रिक का मोबाइल हाथ लग गया। इसके बाद महिला ने अपने माता-पिता को फोन कर पूरे मामले की जानकारी दी। उसके माता-पिता ने तुरंत पुलिस को फोन किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को तांत्रिक के कब्जे से मुक्त कराया। इस मामले में महिला ने अपने पति नीलामणि जेना, ससुर पूर्णचंद्र, सास गीता रानी और सूर्यमणि के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

इंदौर में बिल्डिंग में आग से 7 लोगों की मौत, मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये आर्थिक सहायता देगी सरकार

इन्दौर (आरएनएस)। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर में हुए अग्निकांड की जांच के आदेश दिए हैं, कलेक्टर ने कालोनी को बताया अवैध। मध्य प्रदेश के इंदौर में बीती रात भीषण अग्निकांड हो गया। यहां विजय नगर क्षेत्र में स्वर्णबाग कालोनी की एक बिल्डिंग में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में छह पुरुष और एक महिला शामिल है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, विजय नगर थाना क्षेत्र की दो मंजिला बिल्डिंग में देर रात तीन बजे भीषण आग लगी थी।

सूचना मिलते ही आला अधिकारी और फायर ब्रिगेड के वाहन मौके पर पहुंचे। जल्द ही आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी थी। मृतकों के नाम ईश्वर सिंह सिसोदिया, नीतू सिसोदिया, आशीष, गौरव और आकांक्षा है, दो मृतकों के नाम का पता नहीं चल पाए हैं। घायलों के नाम फिरोज, मुनिरा, विशाल प्रजापति, अरशत और सोनाली पवार है, जिनका एमवाय अस्पताल में इलाज जारी है। बिल्डिंग में रहने वाले सभी किराएदार थे। शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका जताई गई है। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर हादसे में मृत लोगों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। एफएसएल और एमपीइबी की टीम मौके पर जांच करने पहुंचे और यहां से पैनल निकाला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर लिखा, मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ अग्निकांड अत्यंत दुखद है। इस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति मैं गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही सभी घायलों के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की आर्थिक सहायता- सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट कर लिखा, इंदौर के स्वर्ण बाग कालोनी में शार्ट सर्किट से हुए हादसे में कई अनमोल जिंदगियों के असमय निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान और परिजनों को यह गहन दुख सहन करने की शक्ति देने तथा घायलों को शीघ्र स्वस्थ करने की प्रार्थना करता हूं। इंदौर में आग लगने की घटना में मौत की खबर अत्यंत हृदय विदारक है। मैंने इसके जांच के आदेश दे दिए हैं। जिसकी भी लापरवाही सामने आएगी, उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये दिए जाएंगे।

खबरों के अनुसार रात को बिजली गुल हो गई थी, लेकिन जब बिजली आई तो पार्किंग के मीटर में आग लग गई थी।

भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने वाला है असानी, आंध्र, ओडिशा और बंगाल में अलर्ट जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। बंगाल की खाड़ी में गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवात में बदल गया है और इसे असानी नाम दिया गया है। मौसम विभाग ने आज कहा कि अगले 12 घंटे में यह भयंकर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी हैकि यह तूफान उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा। बुलेटिन में कहा गया है, चक्रवाती तूफान असानी बंगाल की खाड़ी से 13 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है।

मौसम विभाग के मुताबिक यह निकोबार द्वीपसमूह से 480 किमी पश्चिम-उत्तर पश्चिम और पोर्ट ब्लेयर से 400 किमी पश्चिम में है। रविवार को सुबह 8 बजे के आसपास यह चक्रवात विशाखापट्टनम से 940 किमी और पुरी से 1000 किमी की दूरी पर था।

आंध्र प्रदेश के अमरावती मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक असानी चक्रवात 10 मई की शाम तक उत्तर-पश्चिम की ओर ही बढ़ता रहेगा और इसके बाद बंगाल की खाड़ी से जुड़े आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तट पर पहुंचेगा। यह भी बताया गया कि अभी इस तूफान के ओडिशा या आंध्र प्रदेश में लैंडफॉल करने के आसार नहीं हैं बल्कि ये तट के समानांतर चलेगा। हालांकि ओडिशा और पश्चिम बंगाल ने

अंडमान-निकोबार में भारी बारिश- अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में बारिश शुरू हो गई है। यहां 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग का कहना है कि बारिश और हवा की गति और तेज हो सकती है। इसी तरह ओडिशा और आंध्र प्रदेश के उत्तरी तट पर भी भारी वर्षा और तेज गति से हवाएं चलनी की आशंका है।

छत्तीसगढ़ में भी बदलेगा मौसम का मिजाज

बंगाल की खाड़ी में ताकतवर हो रहे तूफान असानी के 10 मई को ओडिशा तट से टकराने से एक दिन पहले यानी 9 मई से छत्तीसगढ़ में घने बादल आने लगेंगे और कई जगह अंधड़ भी चल सकते हैं। इसका असर 11 मई तक रहेगा तथा गरज-चमक के साथ प्रदेश में कई जगह बारिश हो सकती है। हालांकि अब भी दो अलग-अलग सिस्टम के असर के कारण सप्ताहभर से भीषण गर्मी से राहत है। शनिवार को आसमान साफ रहने के बावजूद प्रदेश में कहीं भी लू के हालात नहीं बने। असानी साइक्लोन के ओडिशा या आंध्र तट से टकराने से पहले बस्तर और लगे हुए रायपुर संभाग पर घने बादल आने के आसार हैं। हालांकि मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि तूफान ओडिशा तट से टकराने के बाद टर्न हो सकता है, इसलिए छत्तीसगढ़ में इसके तीव्र असर की आशंका कम हो रही है। फिर भी, इसके कारण 9 से 11 मई यानी 3 दिन प्रदेश में अधिकांश जगह अंधड़ और गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

लता मंगेशकर के नाम पर होगा अयोध्या में चौराहा

लखनऊ (आरएनएस)। अयोध्या में एक प्रमुख क्रॉसिंग विकसित की जाएगी और इसका नाम प्रसिद्ध गायिका भारत रत्न दिवंगत लता मंगेशकर के नाम पर रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या प्रशासन को मंदिर शहर में एक प्रमुख चौराहे की पहचान करने और अगले 15 दिनों में इसका नाम लता मंगेशकर के नाम पर रखने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजने का निर्देश दिया है।

लता मंगेशकर द्वारा गाए गए गीत जो भगवान राम और भगवान हनुमान को समर्पित थे, अयोध्या में बजाए जाएंगे। अयोध्या नगर निगम ने शहर भर में प्रमुख क्रॉसिंग की पहचान करना शुरू कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, संभवत: इस परियोजना के लिए राम जन्मभूमि के रास्ते में अयोध्या में मुख्य चौराहे का चयन होने की संभावना थी। अयोध्या के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि हम अगले 10 दिनों में एक प्रमुख क्रॉसिंग को अंतिम रूप देंगे और लता मंगेशकर के नाम पर इसका नाम बदलने के लिए राज्य सरकार को एक प्रस्ताव भेजेंगे।

विश्व धीमान ने 67 साल की उम्र में साइकिल चलाकर बनाया कीर्तिमान, बनीं दून की पहली साइकिल मेयर

देहरादून (आरएनएस)। दून की विश्व धीमान को देहरादून का पहला साइकिल मेयर नामित किया गया है। साइक्लिंग को प्रोत्साहित करने वाली संस्था बाईसाइकिल मेयर इसके लिए चर्चित साइक्लिस्टों को नामित करती है। दून में बीन देयर दून दैट संस्था से जुड़ीं 67 वर्षीय विश्व धीमान अपने पति के साथ रोजाना 80 से 100 किलोमीटर साइकिल चलाती हैं।

करीब 2014 में जब वह दोनों घुटनों की समस्या से जूझ रही थीं। डॉक्टर ने उन्हें घुटने के ज्वाइंट रिप्लेसमेंट तक की सलाह दे दी थी, लेकिन अपने बेटे की सलाह मानते हुए उन्होंने रोजाना साइक्लिंग शुरू की। उनकी साइक्लिंग का दायरा पहले दून शहर, फिर आसपास के शहर, फिर लंबे रूट होने लगे। पिछले सात साल में ही वह साइकिल से दून से चारधाम यात्रा, नार्थ ईस्ट के अरुणाचल प्रदेश के भारतीय बॉर्डर तक, विश्व की सबसे ऊंची सडक़ खार्दुंग ला पास की साहसिक यात्रा पूरी कर चुकी हैं।

2020 में उन्होंने साइकिल पर कश्मीर से कन्याकुमारी की यात्रा पूरी कर सबसे उम्रदराज साइक्लिस्ट होने का तमगा हासिल किया। उन्होंने कश्मीर से पुणे तक की साहसिक यात्रा भी साइकिल से पूरी की। इन सभी यात्राओं के दौरान उन्हें पति का भी भरपूर सपोर्ट मिला। वह इन यात्राओं में हरदम उनके साथ चलते हैं। जबकि वह खुद 72 साल के हैं। विश्व धीमान के मुताबिक उन्हें साइक्लिंग से प्यार है।

राष्ट्रपति ने नागपुर के भारतीय प्रबंधन संस्थान के स्थायी परिसर का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल अध्ययन के स्थान नहीं हैं; बल्कि ये वे स्थान हैं जो हम में से प्रत्येक की आंतरिक और कभी-कभी छिपी प्रतिभा को निखारते हैं। वह आज (8 मई, 2022) नागपुर के एमआईएचए के दहेगांव मौजा स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान के स्थायी परिसर के उद्घाटन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रपति ने कहा कि पाठ्यक्रम हमें अपने भीतर के उद्देश्य, महत्वाकांक्षा का आत्मनिरीक्षण करने और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर प्रदान करता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहां नवाचार और उद्यमिता को सराहा और प्रोत्साहित किया जाता है। नवाचार और उद्यमिता दोनों में न केवल प्रौद्योगिकी के माध्यम से हमारे जीवन को सरल बनाने की क्षमता है बल्कि ये कई लोगों को रोजगार के अवसर भी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईआईएम, नागपुर का इकोसिस्टम छात्रों में रोजगार ढूंढने के बजाये रोजगार प्रदाता बनने की मानसिकता को बढ़ावा देगा।

राष्ट्रपति को यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आईआईएम, नागपुर ने अपने उद्यमिता केन्द्र के माध्यम से आईआईएम नागपुर फाउंडेशन फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (इनफेड) की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि इनफेड ने महिला उद्यमियों को सफलतापूर्वक महिला स्टार्ट-अप कार्यक्रम से स्नातक होने में सक्षम बनाया है और उनमें से छह ने अपने उद्यम भी आरंभ किए हैं। इस तरह के कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी परंपराओं ने, विशेष रूप से ज्ञान के क्षेत्र में हमेशा साझा करने पर जोर दिया है। इसलिए, हमने जो ज्ञान एकत्रित किया है, उसे साझा करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिस तरह आईआईएम अहमदाबाद ने आईआईएम, नागपुर को मेंटरशिप प्रदान की है, उसी तरह हमारे देश के तकनीकी, प्रबंधन या मानविकी के अग्रणी व्यावसायिक स्कूल समान प्रकार के संस्थानों की स्थापना के लिए मेंटरशिप प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि ज्ञान के आदान-प्रदान से ज्ञान का ही और अधिक विकास होता है। उन्होंने पुणे, हैदराबाद और सिंगापुर में सैटेलाइट कैंपस की स्थापना की पहल करने के लिए आईआईएम, नागपुर को